



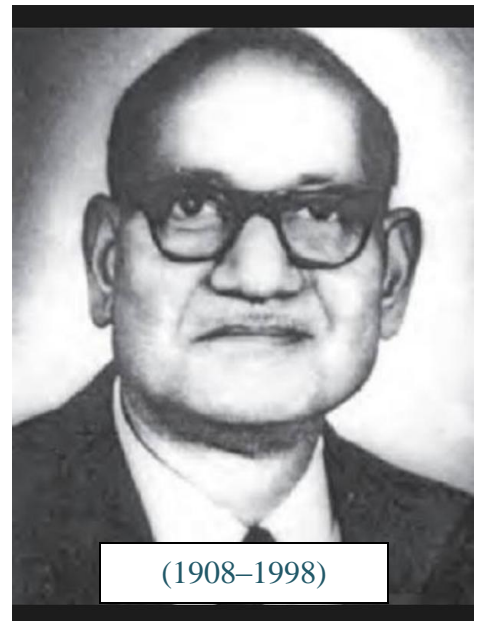
FOREST RESEARCH CENTRE FOR ECO-REHABILITATION

Prof. R. Misra Memorial Lecture

(28th February, 2020)

On national science day 28th Feb, 2020, FRCER, Prayagraj initiated to organize Prof. Ramdeo Misra Memorial Lecture Series in collaboration of Botanical survey of India, Central Region, Allahabad. This memorial lecture is to tribute the Father of Indian Ecology Prof. Ramdeo Misra. Prof. Ramdeo Mishra is revered as father of Ecology in India. After obtaining Ph.d in ecology (1937) under Prof. W. H. Pearsall, FRS from Leeds University in UK, he returned to establish ecology teaching and research at the Department of Botany of the Banaras Hindu University. Under his leadership, this Department gained international recognition for research of ecology of tropical ecosystems (forests, grasslands, ponds, lakes, etc.). His researches laid the foundation for understanding of tropical communities and their succession, environmental responses of plant populations, and productivity and nutrient cycling in tropical forests and grassland ecosystems.

The event was started with a floral tribute to the Late Prof. Ramdeo Misra. Prof. A.S. Raghuvanshi, Co-Ordinator, IESD, BHU, Varanasi, was the Honrary Speaker for Prof. R. Misra Memorial Lecture. Dr. Anubha Srivastava welcomed all dignitaries and participants.



The inauguration was done with lightening of the lamp by speaker and other dinataries and participants.



The Honorary Speaker Prof. A.S. Raghuvanshi was welcomed by Dr. Sanjay Singh, the Head, FRCER, Prayagraj and Dr. Sheo Kumar, Scientist E, Botanical Survey of India, Prayagraj.



A Welcome Address was delivered by Dr. Sanjay Singh, Head FRCER, Prayagraj, with some precious words for Prof. Ramdeo Misra. Introduction and Tribute to Prof. R.Misra (Father of Indian Ecology) was given by Dr. Kumud Dubey, Scientist FRCER, Prayagraj. She told about a brief summary of life of Late Prof. Ramdeo Misra.



The Honorary speaker Prof. A.S. Raghuvanshi was introduced by Dr. Anita Tomar, Scientist, FRCER, Prayagraj. The memorial lecture was delivered by Prof. A.S. Raghuvanshi on the topic “Environment and Sustainable Development”.



In the end of the programme, vote of thanks had been given by Mr. Alok Yadav, Scientist, FRCER, Prayagraj.



Dr. Ajai Shankar, Srivatav, IFS, Retd APCCF, Dr. Pradeep Srivastava, Head, Botany Department, ECC, Prayagraj Dr. Anil Tewari, Botany Department, ECC, Prayagraj, Dr. Jha, Department of Environmental Sciences, Allahabad University, Dr. H.P. Pandey, Botany Department, Ishwar Saran degree College, Dr. Satendra Dev Shukla, Technical officer, FRCER, Prayagraj, Ratan Gupta, frcer, Prayagraj, Dr. Arati Garg, Scientist, BSI, Dr. A. K. Verma, Scientist, BSI, Dr. A. N. Shukla, Scientist, BSI, Dr. Nitisha Srivastav, BSI, students Shivam, Aman Mishra, Ujjwal Mishra, Faraj, Charlie Mishra, Rekha

Rana, Rajkumar, Amit Kumar etc from FR CER, Prayagraj, students from ECC, PG College Prayagraj, Students from Allahabad University, Representatives of Media were remained present in Lecture.



से अक्षयशट का नाम हमारा छह है। बापू ने कहा कि से स्वयंसेवक व बंधातु मौजूद।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर प्रोफेसर रामदेव मिश्रा स्मृति व्याख्यानमाला का आयोजन

प्रयागराज। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के शुभ अवसर पर भारतीय परिस्थितिकी के जनक रूप में प्रख्यात स्व. प्रो. आर. मिश्रा की स्मृति में प्रो. आर. मिश्रा स्मारक व्याख्यान माला का आयोजन पारि-पुनर्वसन वन अनुसंधान केंद्र द्वारा भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, भारत सरकार के सहयोग से प्रयागराज क्षेत्रीय स्केड के सेमिनार हॉल में किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में केंद्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने उपस्थित वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं एवं छात्रों का स्वागत करते हुए

कहा कि यह व्याख्यान माला विज्ञान में अध्ययन एवं शोध प्रवृत्ति को बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष आयोजित किया जाएगा। तत्पश्चात वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दुबे ने प्रो. मिश्रा के जीवन एवं उपलब्धियों से सभा को अवगत कराया। इस वर्ष के वक्ता प्रो. ए. एस. रघुवंशी, समन्वयक, पर्यावरण सतत विकास



संस्थान, बी.एच.यू. वाराणसी का परिषद केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनिता तोमर द्वारा दिया गया। डॉ. रघुवंशी ने अपने व्याख्यान में पर्यावरण एवं सतत विकास के विभिन्न पहलुओं एवं इनके आपसी सम्बन्ध तथा शोक संभावनाओं पर विस्तृत प्रस्तुतिकरण दिया। कार्यक्रम का संचालन वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव तथा धन्यवाद स्वरूप वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव द्वारा किया गया। कार्यक्रम में भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, प्रयागराज के वरिष्ठ वैज्ञानिक शिव कुमार, आर्यस्तवन्द शुक्ला ने भी भाग लिया। इस अवसर पर केंद्र के तकनीक अधिकारी डा. एस.डी. शुक्ला, रतन कुमार गुप्ता एवं विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत छात्र यथा अमन, हरिजोम, योगेश, शिवम, अक्षय, प्रवीण, चाली, अमित के साथ नगर के लगभग 100 वैज्ञानिक व शोधकर्ता आदि उपस्थित रहे।

रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण, आंशिक निरस्तीकरण/ओरिजिनेशन एवं रेग्यूलेशन

रेल प्रशासन द्वारा आधारभूत संरचना के सुदृढीकरण के उद्देश्य से प्रयागराज मण्डल के कम्पा-सरसोल के मध्य रॉन इन्टरलॉकिंग कार्य के कारण निम्न रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण, आंशिक निरस्तीकरण/ओरिजिनेशन एवं रेग्यूलेशन किया आ रहा है। जिसका विवरण निम्नवत है:-

निरस्तीकरण

दिनांक 08.03.2020 को प्रारम्भिक स्टेशन से प्राप्त आरम्भ करने वाली निम्नलिखित गाड़ियाँ निरस्त रहेंगी :-

(1) गाड़ी संख्या 54532/54534 फतेहपुर-कानपुर सीटल रैवेजर

मुक्त विधि में मीडिया के छात्रों का प्लेसमेंट ड्राइव छह मार्च को

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजसिं टंकन मुक्त विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड इंटेल सेंट द्वारा छह मार्च को विश्वविद्यालय के सॉल्यूशन कार्यालय स्थित सौजनिक परिसर के नवी हॉल में ड्रॉइव ड्राइव का आयोजन किया गया है। यह आयोजन प्लेसमेंट सेंट के प्रभारी डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव

जिला अदालत में एक अप्रैल से अधिवक्ताओं को देना होगा रोल नंबर

Sahaj swaraj

प्रो. रामदेव मिश्र स्मृति व्याख्यानमाला आयोजित

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर भारतीय पारिस्थितिकी के जनक के रूप में प्रख्यात स्व. प्रो. आर. मिश्रा की स्मृति में 'प्रो. आर. मिश्र स्मारक व्याख्यानमाला' का आयोजन पारि - पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र की ओर से एवं भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण भारत सरकार के सहयोग से प्रयागराज क्षेत्रीय केंद्र में शुक्रवार को किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में केंद्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं एवं छात्रों का स्वागत करते हुए कहा कि यह व्याख्यानमाला विज्ञान में अध्ययन एवं शोध प्रवृत्ति को बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष आयोजित की जाएगी। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दुबे ने प्रो. मिश्रा के जीवन एवं उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। इस वर्ष के वक्ता प्रो. एस रघुवंशी समन्वयक, पर्यावरण सतत विकास संस्थान बीएचयू का परिचय केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने दिया। डॉ. रघुवंशी ने अपने व्याख्यान में पर्यावरण एवं सतत विकास के विभिन्न पहलुओं एवं इनके आपसी समन्वय तथा शोक संभावनाओं पर विस्तृत प्रस्तुतिकरण दिया। कार्यक्रम का संचालन वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव तथा धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने किया। कार्यक्रम में भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण प्रयागराज के वरिष्ठ वैज्ञानिक शिव कुमार एवं अच्युतानंद शुक्ल ने भी भाग लिया। इस अवसरपर केन्द्रके तकनीक अधिकारी डा. एसडी. शुक्ल, रतन कुमार गुप्त एवं विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत छात्रों अमन, हरिओम, योगेश, शिवम, अंकुर, प्रदीप, चार्ली एवं अमित समेत नगरके लगभग १०० वैज्ञानिक व शोधकर्ता उपस्थित रहे।

विज्ञान दिवस पर बताया पर्यावरण का महत्व

प्रयागराज। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण भारत सरकार के सहायोग से प्रयागराज क्षेत्रीय कार्यालय में शुक्रवार को 'प्रो. आर. मिश्र स्मारक व्याख्यानमाला' का आयोजन किया गया। वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दुबे ने प्रो. मिश्र के जीवन एवं उपलब्धियों से अवगत कराया। केंद्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, छात्रों का स्वागत किया। संचालन डॉ. अनुभा श्रीवास्तव एवं धन्यवाद ज्ञापन आलोक यादव ने किया।

आज—हिन्दी दैनिक अखबार

दिनांक—29.02.2020

अमर उजाला—हिन्दी दैनिक अखबार

दिनांक—29.02.2020

विज्ञान दिवस पर बताया पर्यावरण का महत्व

प्रयागराज। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण भारत सरकार के सहयोग से प्रयागराज क्षेत्रीय कार्यालय में शुक्रवार को 'प्रो. आर. मिश्र स्मारक व्याख्यानमाला' का आयोजन किया गया। वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे ने प्रो. मिश्र के जीवन एवं उपलब्धियों से अवगत कराया। वक्ता डॉ. रघुवंशी ने पर्यावरण एवं सतत विकास के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला।

हिन्दुस्तान दैनिक अखबार

दिनांक-29.02.2020

अमर उजाला कामैक्ट-दैनिक

दिनांक-29.02.2020

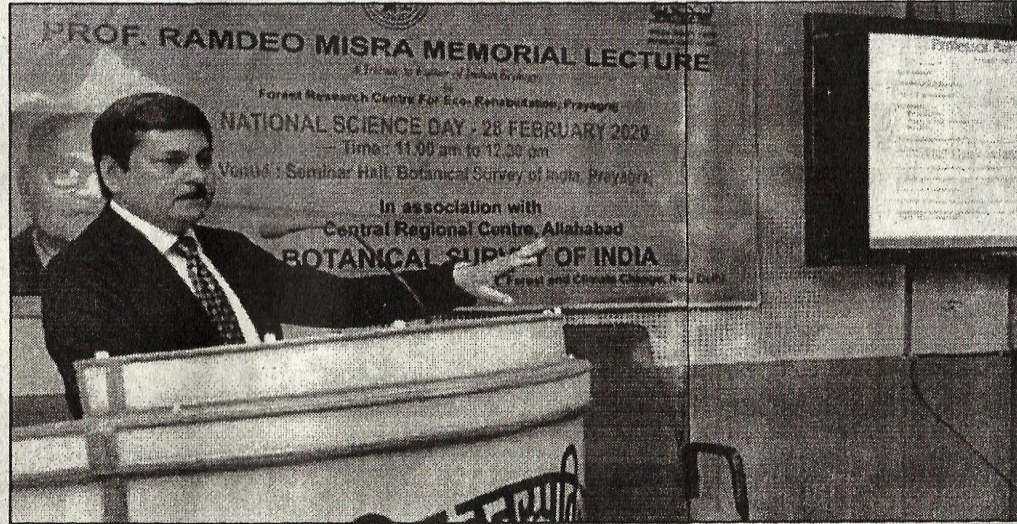
विज्ञान दिवस पर स्मृति व्याख्यानमाला

प्रयागराज। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर भारतीय पारिस्थितिकी के जनक के रूप में प्रख्यात रहे प्रो. आर. मिश्रा की स्मृति में 'प्रो. आर. मिश्रा स्मृति व्याख्यानमाला' पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र में आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता पर्यावरण एवं सतत विकास संस्थान बीएचयू वाराणसी के समन्वयक प्रो. एस. रघुवंशी ने विचार रखे। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने स्वागत किया। डॉ. कुमुद दूबे, डॉ. नीता तोमर, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, आलोक यादव, शिवकुमार, अच्युत शुक्ला, डॉ. एस.डी. शुक्ला, रतन कुमार गुप्ता, अमन, हरिओम, योगेश, शिवम, अंकुर, प्रदीप, चाली, अमित आदि रहे।

प्रो रामदेव मिश्रा स्मृति व्याख्यानमाला आयोजित

प्रयागराज(हि.स.)। भारतीय पारिस्थितिकी के जनक रूप में प्रख्यात स्वर्गीय प्रो. आर. मिश्रा की स्मृति में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर शुक्रवार को "प्रो. आर. मिश्रा स्मारक व्याख्यान माला" का आयोजन पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, भारत सरकार के सहयोग से प्रयागराज क्षेत्रीय स्थित केन्द्र में किया गया।

इस अवसर पर केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने उपस्थित वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं एवं छात्रों का स्वागत करते हुए कहा कि यह व्याख्यान माला पारिस्थितिक विज्ञान में अध्ययन एवं शोध प्रकृति को बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष आयोजित की जायेगी। तत्पश्चात वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे ने



प्रो. मिश्रा के जीवन एवं उपलब्धियों से अवगत कराया। इस वर्ष के वक्ता प्रो. एस. रघुवंशी,

समन्वयक, पर्यावरण के निरंतर विकास संस्थान, बी.एच.यू. वाराणसी का परिचय केन्द्र की

वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने दिया। डॉ. रघुवंशी ने अपने व्याख्यान में पर्यावरण एवं सतत

विकास के विभिन्न पहलुओं एवं इनके आपसी समन्वय तथा शोक संभावनाओं पर विस्तृत प्रस्तुतिकरण दिया।

कार्यक्रम का संचालन वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव तथा धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने किया। कार्यक्रम में भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, प्रयागराज के वरिष्ठ वैज्ञानिक शिवकुमार, अच्युत शुक्ला ने भी भाग लिया। इस अवसर पर केन्द्र के तकनीक अधिकारी डॉ. एस.डी. शुक्ला व रतन कुमार गुप्ता व विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत छात्र यथा अमन, हरिओम, योगेश, शिवम, अंकुर, प्रदीप, चाली, अमित के साथ नगर के लगभग सौ वैज्ञानिक, शोधकर्ता आदि उपस्थित रहे।

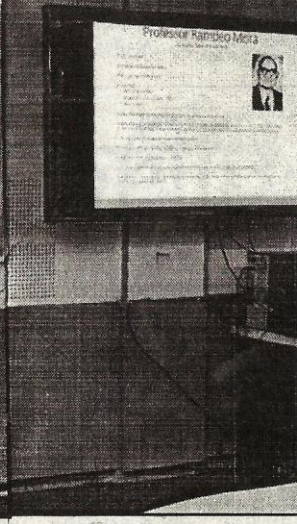
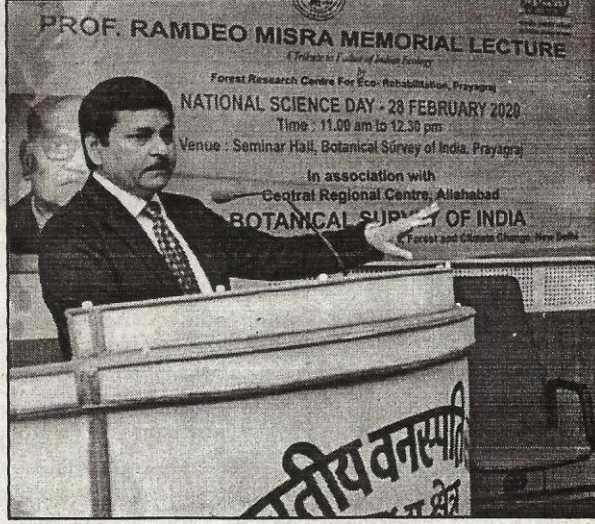
प्रो रामदेव मिश्रा स्मृति व्याख्यानमाला आयोजित

भारत संवाद संवाददाता प्रयागराज। भारतीय पारिस्थितिकी के जनक रूप में

माला का आयोजन पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, भारत

शोधकर्ताओं एवं छात्रों का स्वागत करते हुए कहा कि यह व्याख्यान माला पारिस्थितिक विज्ञान में

एवं उपलब्धियों से अवगत कराया। इस वर्ष के वक्ता प्रो. ए. एस. रघुवंशी, समन्वयक, पर्यावरण के निरंतर विकास संस्थान, बी.एच.यू., वाराणसी का परिचय केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने दिया। डॉ. रघुवंशी ने अपने व्याख्यान में पर्यावरण एवं सतत् विकास के विभिन्न पहलुओं एवं इनके आपसी समन्वय तथा शोक संभावनाओं पर विस्तृत प्रस्तुतिकरण दिया। कार्यक्रम का संचालन वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव तथा धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने किया। कार्यक्रम में भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, प्रयागराज के वरिष्ठ वैज्ञानिक शिवकुमार, अच्युत शुक्ला ने भी भाग लिया। इस अवसर पर केन्द्र के तकनीक अधिकारी डॉ. एस. डी. शुक्ला व रतन कुमार गुप्ता व विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत छात्र यथा अमन, हरिओम, योगेश, शिवम, अंकुर, प्रदीप, चार्ली, अमित के साथ नगर के लगभग सौ वैज्ञानिक, शोधकर्ता आदि उपस्थित रहे।



प्रख्यात स्वर्गीय प्रो. आर. मिश्रा की स्मृति में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर शुक्रवार को 'प्रो. आर. मिश्रा स्मारक व्याख्यान

सरकार के सहयोग से प्रयागराज क्षेत्रीय स्थित केन्द्र में किया गया। इस अवसर पर केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने उपस्थित वैज्ञानिकों,

अध्ययन एवं शोध प्रकृति को बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष आयोजित की जायेगी। तत्पश्चात वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे ने प्रो. मिश्रा के जीवन

भारत संवाद-दैनिक अखबार, दिनांक-29.02.2020

प्रो. रामदेव मिश्रा स्मृति व्याख्यान माला आयोजित

प्रयागराज, वरिष्ठ संवाददाता। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर भारतीय पारिस्थितिकी के जनक रूप में प्रख्यात स्वर्गीय प्रो. आर. मिश्रा की स्मृति में 'प्रो. आर. मिश्रा स्मारक व्याख्यान माला' का आयोजन पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के सहयोग से सेमीनार हाल में किया गया। कार्यक्रम के आरम्भ में केन्द्र प्रमुख डा. संजय सिंह ने उपस्थित वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं एवं छात्रों का स्वागत करते हुए कहा कि यह व्याख्यान माला पारिस्थितिक विज्ञान में अध्ययन एवं शोध प्रकृति को बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष आयोजित की जायेगी। तत्पश्चात वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. कुमुद दूबे ने प्रो. मिश्रा के जीवन एवं उपलब्धियों से सभा को अवगत कराया। इस वर्ष के वक्ता प्रो. ए. एस. रघुवंशी, समन्वयक, पर्यावरण के निरंतर विकास संस्थान, बी.एच.यू., वाराणसी का परिचय केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. अनीता तोमर द्वारा दिया गया। डा. रघुवंशी ने अपने व्याख्यान में पर्यावरण एवं सतत् विकास के विभिन्न पहलुओं एवं इनके आपसी समन्वय तथा शोक संभावनाओं पर विस्तृत प्रस्तुतिकरण दिया। कार्यक्रम का संचालन वैज्ञानिक डा. अनुभा श्रीवास्तव तथा धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव द्वारा किया गया। कार्यक्रम में भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, प्रयागराज के वरिष्ठ वैज्ञानिक शिवकुमार, अच्युत शुक्ला ने भी भाग लिया।

अमृत प्रभात-दैनिक अखबार, दिनांक: 29.02.2020
